**Vaťácký vývar** @vatniksoup_cs

Nov 28, 2026 · 15 tweets · vatniksoup_cs/status/2126571802763866146

Dnes, v Den památky obětí holodomoru, vydáváme první dossier z řady Historická paměť. Věnujeme jej milionům Ukrajinců, kteří zemřeli v letech 1932–1933, i těm, kdo přežili a podali svědectví.

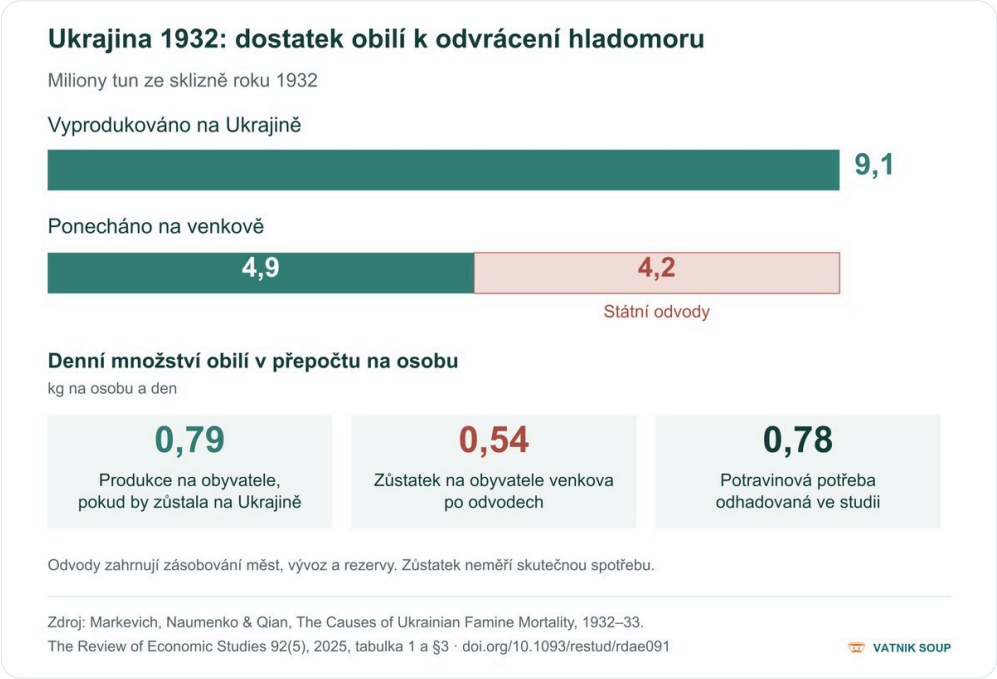
1/15



Miliony lidí zemřely hlady v zemi proslulé úrodnou půdou. Holodomor zpustošil obce po celé sovětské Ukrajině. Zanechal historii, kterou se moc snažila po desetiletí skrývat.

2/15





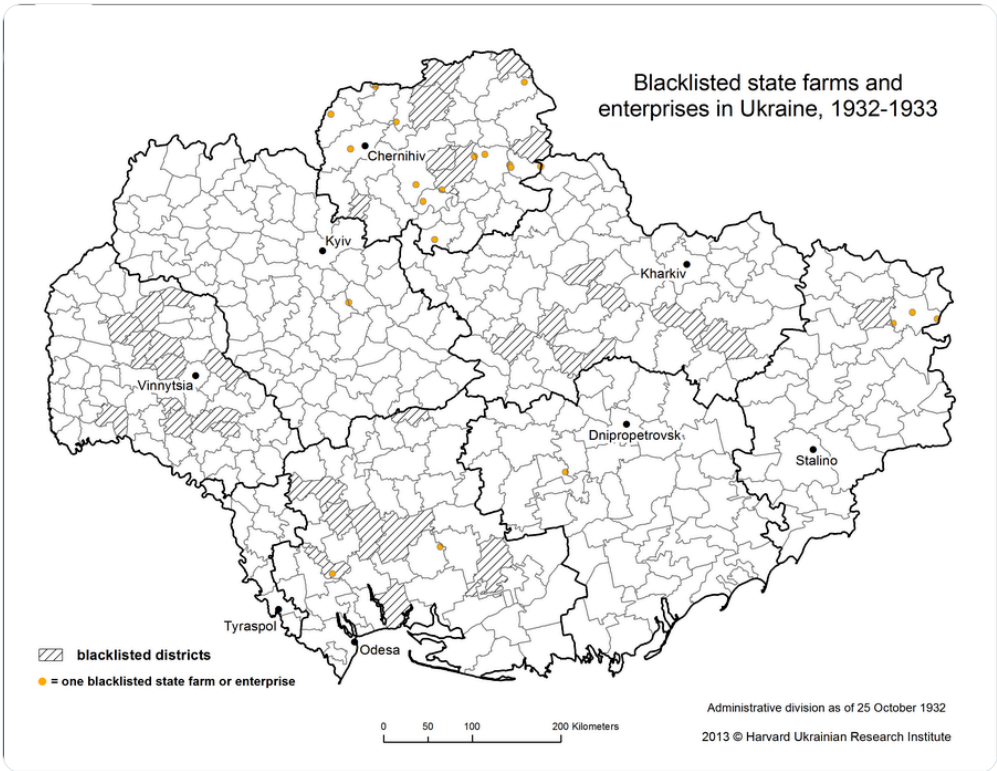

Za Stalina připravila nucená kolektivizace rolníky o hospodářství, dobytek i kontrolu nad úrodou. Rekvizice obilí a zabavování dalších potravin nechávaly rodiny bez prostředků k přežití.







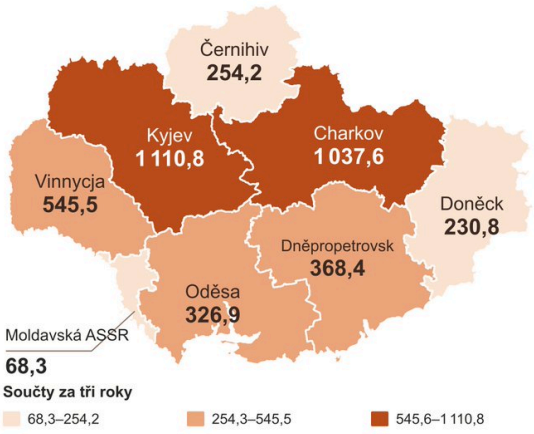
Vesnice se ocitaly na černých listinách. Obchod byl zakázán, zásoby odvezeny, jídlo zabaveno. Kolektivní tresty připravovaly lidi o životní potřeby, zatímco úředníci násilím vymáhali povinné dodávky.




## Ztráty způsobené hladomorem podle regionů

Ukrajina, 1932–1934 · Nadúmrtnost, v tisících osob

Hranice k 1. dubnu 1933




**Nadúmrtnost v jednotlivých letech**

| Region | 1932 | 1933 | 1934 | Celkem |
|---|---|---|---|---|
| Kyjev | 83,9 | **991,5** | 35,4 | 1 110,8 |
| Charkov | 46,9 | **969,9** | 20,8 | 1 037,6 |
| Vinnycja | 27,0 | **497,3** | 21,1 | 545,5 |
| Dněpropetrovsk | 20,6 | **331,3** | 16,5 | 368,4 |
| Oděsa | 19,6 | **300,3** | 7,0 | 326,9 |
| Černihiv | 17,6 | **205,4** | 31,2 | 254,2 |
| Doněck | 28,7 | **175,2** | 26,9 | 230,8 |
| Moldavská ASSR | 5,7 | **58,2** | 4,4 | 68,3 |

Zaokrouhlené odhady převzaté z původního zdroje.

Zdroj: MAPA · Ukrainian Research Institute, Harvard University

Původní mapa © 2018 The President and Fellows of Harvard College. Překresleno pro Vatnik Soup.

VATNIK SOUP

V lednu 1933 nařídili Stalin a Molotov zabránit rolníkům v odchodu z Ukrajiny a severního Kavkazu za potravinami. Lidé, kteří se pokoušeli uniknout smrti hladem, byli zadržováni a posíláni zpět.



Hladomor provázely útoky na ukrajinské spisovatele, učitele, duchovní a kulturní instituce. Hlad a represe společně ničily komunity, které udržovaly ukrajinský národní život.

6/15



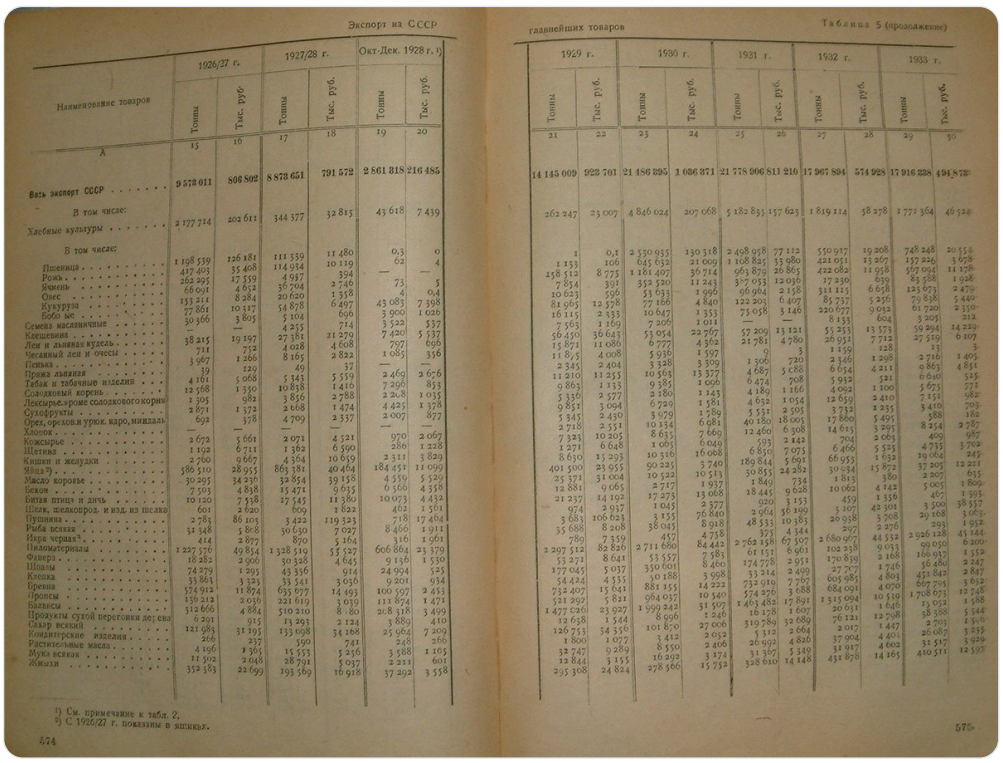
Holodomor byl genocidou. Záměrné odpírání potravin se stalo nástrojem útoku na ukrajinský národ. Pochopit tento zločin znamená zkoumat, co vedení vědělo, jak rozhodovalo a proti komu své kroky směřovalo.

7/15



Zkoumáme nucenou kolektivizaci a centrální plánování v souvislosti s autoritářstvím a imperialismem. Hospodářský neúspěch neomlouvá rozhodnutí režimu zabavovat jídlo, bránit útěku a umlčovat varování, zatímco lidé hladověli.





Экспорт из СССР

| Наименование товаров | 1926/27 г. Тонны | 1926/27 г. Тыс. руб. | 1927/28 г. Тонны | 1927/28 г. Тыс. руб. | Окт.-Дек. 1928 г.[1] Тонны | Окт.-Дек. 1928 г.[1] Тыс. руб. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| А | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| Весь экспорт СССР | 9 578 611 | 896 802 | 8 872 651 | 791 572 | 2 861 818 | 216 485 |
| В том числе: | | | | | | |
| Хлебные культуры | 2 177 714 | 202 611 | 344 377 | 32 815 | 43 618 | 7 439 |
| В том числе: | | | | | | |
| Пшеница | 1 198 539 | 126 181 | 111 339 | 11 480 | 0,3 | 0 |
| Рожь | 417 403 | 35 468 | 114 954 | 10 119 | 62 | 4 |
| Ячмень | 262 295 | 17 559 | 4 937 | 394 | — | — |
| Овес | 68 091 | 4 652 | 36 704 | 2 746 | 73 | 3 |
| Кукуруза | 153 211 | 8 284 | 20 620 | 1 358 | 4 | 04 |
| Бобовые | 77 861 | 10 147 | 54 878 | 6 497 | 43 083 | 7 398 |
| Семена масличные | 30 366 | 3 805 | 5 104 | 696 | 3 900 | 1 026 |
| Кешью | | | 4 255 | 714 | 3 522 | 537 |
| Конопля | 38 215 | 19 597 | 27 381 | 21 279 | 7 420 | 5 137 |
| Лен и льняная кудель | 711 | 572 | 4 028 | 4 608 | 797 | 696 |
| Чесаный лен и очесы | 3 967 | 1 266 | 8 165 | 2 822 | 1 085 | 356 |
| Пенька | 19 | 129 | 49 | 37 | — | — |
| Пряжа льняная | 4 161 | 5 068 | 5 145 | 5 559 | 2 469 | 2 676 |
| Табак и табачные изделия | 12 568 | 1 330 | 10 838 | 1 416 | 7 296 | 853 |
| Солодковый корень | 1 305 | 982 | 3 856 | 2 788 | 2 208 | 1 033 |
| Лесарь-корне солодкового корня | 2 871 | 1 372 | 2 668 | 1 474 | 2 495 | 1 378 |
| Сухофрукты | 692 | 578 | 4 709 | 2 337 | 2 007 | 877 |
| Орех, орехов. урюк, кара, миндаль | — | — | — | — | — | — |
| Хлопок | 2 672 | 5 661 | 2 071 | 4 321 | 970 | 2 067 |
| Кожсырье | 1 192 | 6 711 | 1 362 | 6 590 | 286 | 1 228 |
| Шетина | 2 560 | 9 667 | 4 364 | 10 639 | 2 311 | 3 829 |
| Кишки и желудки | 586 510 | 28 955 | 865 381 | 40 464 | 184 451 | 11 099 |
| Яйца[2] | 30 295 | 34 235 | 32 854 | 39 158 | 4 559 | 5 529 |
| Масло коровье | 7 593 | 4 898 | 15 471 | 9 615 | 6 166 | 4 558 |
| Бекон | 10 120 | 7 538 | 17 545 | 11 380 | 10 073 | 4 432 |
| Битая птица и дичь | 601 | 2 620 | 609 | 1 822 | 402 | 1 501 |
| Шелк, шелкопрод. и изд. из шелка | 2 783 | 86 103 | 5 422 | 119 323 | 718 | 17 404 |
| Пушнина | 31 348 | 5 868 | 30 630 | 7 027 | 8 466 | 1 911 |
| Рыба всякая | 414 | 2 877 | 870 | 5 164 | 316 | 1 961 |
| Икра черная | 1 227 576 | 49 854 | 1 328 519 | 53 527 | 606 864 | 23 379 |
| Пиломатериалы | 16 382 | 2 906 | 30 388 | 4 643 | 9 136 | 1 530 |
| Фанера | 74 279 | 1 295 | 43 356 | 914 | 24 994 | 525 |
| Шпалы | 33 861 | 3 325 | 33 541 | 3 036 | 9 201 | 934 |
| Клепка | 374 912 | 11 874 | 655 077 | 14 493 | 100 597 | 2 455 |
| Бревна | 159 213 | 2 036 | 221 619 | 3 039 | 111 874 | 1 471 |
| Пропсы | 312 666 | 4 884 | 510 210 | 8 180 | 208 318 | 3 499 |
| Дрова | 6 201 | 915 | 13 293 | 2 124 | 3 889 | 410 |
| Сахар-песок | 121 983 | 31 195 | 135 098 | 34 168 | 25 564 | 7 209 |
| Кондитерские изделия | 266 | 237 | 590 | 741 | 246 | 266 |
| Растительные масла | 4 196 | 3 365 | 15 553 | 5 256 | 3 588 | 1 105 |
| Мука всякая | 11 502 | 2 048 | 28 791 | 5 037 | 2 211 | 601 |
| Жмыхи | 352 383 | 22 699 | 193 169 | 16 918 | 37 292 | 3 538 |

[1]) См. примечание к табл. 2.
[2]) С 1926/27 г. показаны в штуках.

574

Таблица 5 (продолжение)

главнейших товаров

| 1929 г. Тонны | 1929 г. Тыс. руб. | 1930 г. Тонны | 1930 г. Тыс. руб. | 1931 г. Тонны | 1931 г. Тыс. руб. | 1932 г. Тонны | 1932 г. Тыс. руб. | 1933 г. Тонны | 1933 г. Тыс. руб. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
| 14 145 009 | 923 701 | 21 486 395 | 1 086 871 | 21 778 906 | 811 216 | 17 967 894 | 574 928 | 17 916 328 | 494 878 |
| 262 247 | 23 007 | 4 846 024 | 207 068 | 5 182 853 | 157 623 | 1 819 114 | 58 278 | 1 771 364 | 46 528 |
| 1 | 0,1 | 2 530 915 | 130 318 | 2 498 958 | 77 112 | 550 917 | 19 208 | 748 248 | 20 556 |
| 1 533 | 106 | 645 632 | 21 009 | 1 108 825 | 33 980 | 421 051 | 13 267 | 157 226 | 3 678 |
| 258 512 | 8 775 | 1 181 407 | 36 714 | 963 879 | 26 865 | 422 089 | 11 958 | 567 094 | 11 178 |
| 7 854 | 393 | 352 520 | 11 243 | 307 033 | 12 036 | 17 230 | 635 | 85 568 | 1 928 |
| 10 623 | 598 | 58 633 | 1 996 | 36 984 | 2 138 | 311 115 | 6 658 | 121 673 | 2 479 |
| 81 965 | 12 578 | 77 166 | 4 840 | 122 203 | 6 407 | 85 757 | 5 256 | 79 858 | 5 449 |
| 16 115 | 2 133 | 10 647 | 1 353 | 71 058 | 3 146 | 220 677 | 9 032 | 61 720 | 2 550 |
| 7 563 | 1 169 | 7 268 | 1 011 | — | — | 8 133 | 604 | 3 205 | 212 |
| 56 450 | 36 643 | 51 954 | 3 309 | 57 209 | 13 121 | 55 253 | 13 573 | 59 294 | 14 229 |
| 15 871 | 11 086 | 6 777 | 4 362 | 21 781 | 4 780 | 28 951 | 7 712 | 27 519 | 6 107 |
| 11 855 | 4 008 | 5 936 | 1 597 | 9 | 3 | 1 159 | 128 | 13 | 3 |
| 2 545 | 2 404 | 3 328 | 3 309 | 1 306 | 720 | 2 346 | 1 298 | 2 716 | 1 405 |
| 11 210 | 11 255 | 10 563 | 13 377 | 4 687 | 5 588 | 6 654 | 4 211 | 9 863 | 4 851 |
| 9 863 | 1 135 | 9 585 | 1 096 | 6 474 | 708 | 3 932 | 521 | 6 646 | 595 |
| 5 336 | 2 577 | 2 180 | 1 143 | 4 189 | 1 166 | 4 002 | 1 100 | 5 675 | 778 |
| 9 851 | 3 094 | 6 720 | 1 581 | 4 652 | 1 054 | 12 659 | 2 410 | 7 551 | 982 |
| 5 345 | 2 430 | 3 679 | 1 789 | 5 531 | 2 505 | 3 732 | 1 255 | 3 410 | 709 |
| 2 718 | 2 551 | 10 134 | 6 681 | 40 180 | 18 005 | 17 860 | 5 495 | 388 | 182 |
| 7 321 | 10 205 | 8 635 | 7 669 | 12 460 | 6 508 | 14 615 | 5 295 | 8 354 | 2 787 |
| 1 271 | 6 648 | 1 005 | 6 049 | 593 | 2 142 | 704 | 2 065 | 409 | 967 |
| 8 630 | 15 293 | 10 316 | 16 068 | 6 850 | 7 073 | 6 466 | 5 553 | 4 735 | 3 702 |
| 401 500 | 23 955 | 90 225 | 5 749 | 189 844 | 5 691 | 66 953 | 1 632 | 19 064 | 245 |
| 25 571 | 31 004 | 10 522 | 10 513 | 30 855 | 24 282 | 39 034 | 15 872 | 37 205 | 12 221 |
| 12 881 | 9 065 | 2 717 | 1 937 | 1 849 | 734 | 1 813 | 380 | 2 205 | 655 |
| 21 237 | 14 192 | 17 273 | 13 068 | 18 445 | 9 628 | 10 062 | 4 142 | 5 005 | 1 809 |
| 974 | 2 937 | 1 045 | 2 377 | 920 | 3 153 | 459 | 1 336 | 402 | 1 393 |
| 3 681 | 106 623 | 3 155 | 76 840 | 2 564 | 50 199 | 3 307 | 42 301 | 3 500 | 38 857 |
| 55 688 | 8 208 | 38 045 | 8 918 | 48 333 | 10 383 | 20 938 | 3 708 | 29 168 | 5 063 |
| 789 | 7 359 | 457 | 4 758 | 375 | 4 344 | 297 | 2 276 | 293 | 1 952 |
| 2 207 512 | 82 826 | 2 711 680 | 84 442 | 2 762 138 | 67 507 | 2 680 967 | 44 532 | 2 926 128 | 45 146 |
| 53 271 | 8 641 | 53 557 | 7 583 | 61 151 | 6 961 | 102 238 | 9 033 | 99 050 | 8 205 |
| 177 045 | 5 037 | 350 001 | 8 460 | 174 778 | 2 951 | 170 859 | 2 168 | 166 917 | 1 559 |
| 54 424 | 4 535 | 30 188 | 3 958 | 33 214 | 2 499 | 27 727 | 1 746 | 56 460 | 2 247 |
| 738 407 | 15 641 | 881 155 | 14 222 | 732 010 | 7 767 | 605 983 | 4 803 | 451 840 | 2 847 |
| 521 297 | 5 821 | 984 037 | 10 540 | 574 276 | 5 688 | 684 091 | 4 050 | 667 705 | 3 052 |
| 1 477 026 | 23 927 | 1 999 242 | 31 507 | 1 463 482 | 17 891 | 1 315 094 | 10 539 | 1 708 073 | 12 748 |
| 12 658 | 1 544 | 8 596 | 1 246 | 16 128 | 1 607 | 20 031 | 1 646 | 13 052 | 1 388 |
| 126 753 | 54 356 | 101 850 | 27 006 | 319 789 | 33 689 | 76 121 | 12 798 | 58 388 | 5 544 |
| 1 800 | 1 077 | 3 412 | 2 012 | 5 312 | 2 664 | 37 904 | 4 401 | 2 703 | 1 546 |
| 32 747 | 9 289 | 8 550 | 2 466 | 20 992 | 4 826 | 31 917 | 4 602 | 26 687 | 3 939 |
| 13 844 | 3 155 | 16 293 | 3 374 | 31 367 | 5 349 | 451 858 | 14 465 | 31 517 | 3 959 |
| 295 308 | 24 824 | 278 566 | 15 752 | 328 610 | 14 148 | | | 410 511 | 12 597 |

576

Sovětská moc hladomor popírala. Gareth Jones a další svědci zpochybnili oficiální verzi. Walter Duranty, proto-vatnik z The New York Times, katastrofu zlehčoval a režim omlouval.

**Vatnik Soup**
@vatniksoup · **Follow**

In today's Vatnik Soup, we introduce Walter Duranty, a British-born journalist. He's best known for winning a Pulitzer Prize for his Soviet reporting, and for denying the Holodomor while millions of Ukrainians starved.

1/10



1:16 PM · Nov 6, 2026

929 Reply Copy link

Read 14 replies



# RUSSIANS HUNGRY, BUT NOT STARVING

## Deaths From Diseases Due to Malnutrition High, Yet the Soviet Is Entrenched.

## LARGER CITIES HAVE FOOD

## Ukraine, North Caucasus and Lower Volga Regions Suffer From Shortages.

## KREMLIN'S 'DOOM' DENIED

### Russians and Foreign Observers In Country See No Ground for Predictions of Disaster.

By WALTER DURANTY.
Special Cable to THE NEW YORK TIMES.

MOSCOW, March 30.—In the middle of the diplomatic duel between Great Britain and the Soviet Union over the accused British engineers there appears from a British source a big scare story in the American press about famine in the Soviet Union, with "thousands already dead and millions menaced by death from starvation."

Its author is Gareth Jones, who a former secretary to David Lloyd George and who recently spent three weeks in the Soviet Union and reached the conclusion that the country was "on the verge of a terrific smash," as he told the writer.

Mr. Jones is a man of a keen and active mind, and he has taken the trouble to learn Russian, which he speaks with considerable fluency, but the writer thought Mr. Jones's judgment was somewhat hasty and asked him on what it was based. It appeared that he had made a forty-mile walk through villages in the neighborhood of Kharkov and had found conditions sad.

I suggested that that was a rather inadequate cross-section of a big country, but nothing could shake his conviction of impending doom.

**Predictions of Doom Frequent.**

The number of times foreigners, especially Britons, have shaken rueful heads as they composed the Soviet Union's epitaph can scarcely be computed, and in point of fact it has done the Soviet Union incalculable harm since the day when William C. Bullitt's able and honest account of the situation was shelved and negatived during the Versailles Peace Conference by reports that Admiral Kolchak, White Russian leader, had taken Kazan—which he never did—and that the Soviet power was "on the verge of an abyss."

Admiral Kolchak faded. Then General Denikin took Orel and the Soviet Government was on the verge of an abyss again, and General Yudenich "took" Petrograd. But where are Generals Denikin and Yudenich now?

A couple of years ago another British "eyewitness" reported a mutiny in the Moscow garrison and "rows of corpses neatly piled in Theatre Square," and only this week a British news agency revealed a revolt of the Soviet Fifty-fifth Regiment at Dauria, on the Manchurian border. All bunk, of course.

This is not to mention a more regrettable incident of three years ago when an American correspondent discovered half the Ukraine flaming with rebellion and "proved" it by authentic documents eagerly proffered by Rumanians, which documents on examination appeared to relate to events of eight or ten years earlier.

**Saw No One Dying.**

But to return to Mr. Jones. He told me there was virtually no bread in the villages he had visited and that the adults were haggard, gaunt and discouraged, but that he had seen no dead or dying animals or human beings.

I believed him because I knew it to be correct not only of some parts of the Ukraine but of sections of the North Caucasus and lower Volga regions and, for that matter, Kazakstan, where the attempt to change the stock-raising nomads of the type and the period of Abraham and Isaac into 1933 collective grain farmers has produced the most deplorable results.

It is all too true that the novelty and mismanagement of collective farming, plus the quite efficient conspiracy of Feodor M. Konar and his associates in agricultural commissariats, have made a mess of Soviet food production. [Konar was executed for sabotage.]

But—to put it brutally—you can't make an omelette without breaking eggs, and the Bolshevist leaders are just as indifferent to the casualties that may be involved in their drive toward socialization as any General during the World War who ordered a costly attack in order to show his superiors that he and his division possessed the proper soldierly spirit. In fact, the Bolsheviki are more indifferent because they are animated by fanatical conviction.

Since I talked with Mr. Jones I have made exhaustive inquiries about this alleged famine situation. I have inquired in Soviet commissariats and in foreign embassies with their network of consuls, and I have tabulated information from Britons working as specialists and from my personal connections, Russian and foreign.

**Disease Mortality Is High.**

All of this seems to me to be more trustworthy information than I could get by a brief trip through any one area. The Soviet Union is too big to permit a hasty study, and it is the foreign correspondent's job to present a whole picture, not a part of it. And here are the facts:

There is a serious food shortage throughout the country, with occasional cases of well-managed State or collective farms. The big cities and the army are adequately supplied with food. There is no actual starvation or deaths from starvation, but there is widespread mortality from diseases due to malnutrition.

In short, conditions are definitely bad in certain sections—the Ukraine, North Caucasus and Lower Volga. The rest of the country is on short rations but nothing worse. These conditions are bad, but there is no famine.

The critical months in this country are February and March, after which a supply of eggs, milk and vegetables comes to supplement the shortage of bread—if, as now, there is a shortage of bread. In every Russian village food conditions will improve henceforth, but that will not answer one really vital question—What about the coming grain crop?

Upon that depends not the future of the Soviet power, which cannot and will not be smashed, but the future policy of the Kremlin. If through climatic conditions, as in 1921, the crop fails, then, indeed, Russia will be menaced by famine. If not, the present difficulties will be speedily forgotten.

Series on "Tammany's Poor Relations" Continues Today on Pa

NIGHT EDITION ★★★★★ Wall Street Closing Prices Fair today and Thursday. (See P. 23)

# New York Evening Post

NIGHT EDITI ★★★ Wall Street Closing

THREE 3 CENTS

WEDNESDAY, MARCH 29, 1933

THREE

## FAMINE GRIPS RUSSIA, MILLIONS DYING, IDLE ON RISE, SAYS BRITON

### Gareth Jones, Lloyd George Aid, Reports Devastation

### TOURS FARM AREAS, FINDS FOOD GONE

### Asserts Reds Arrest Britons to Check Public Wrath—Peasants "Wait for Death"

By H. R. KNICKERBOCKER

Evening Post Foreign Service

Reich Jews Ask End of Protests

Real Reprisal Order Puts Victims in Perils — Pupils Barred From Schools

Today's developments in Hitler Germany and Austria follow:

Nazis Jews Germany into peace by final capitol action, are end of Foreign "atrocity" protests.

Another Nazis move "world boycott" of Germany will not recognize any agreements signed by Chancellor Hitler.

By H. R. KNICKERBOCKER

Evening Post Foreign Service

BERLIN, March 29.—Germany's Jewish population was thrown into a state of extreme fear today as the final declaration of economic reprisals against them in Germany for the anti-Nazis atrocity campaign was put into effect.

The final action of handing the Jews over to hostile treatment as the result of their attempt to arouse foreign opinion against Germany was taken by the Nazi Government when it announced that Jewish students would be barred from the schools and universities of the country, and that Jewish lawyers would be forbidden to practice.

Within two days after the passing of a decree that Jewish lawyers would be barred from practice in the courts, Jewish lawyers had been practically driven out of the profession and the Nazi Government announced that this decree would be put into effect on April 1.

The Nazi action of today was the result of the boycott against Germany which began on March 24 when a general strike was declared by Jewish organizations throughout the world.

Persecution of Jews in Germany has been increasing in intensity since the Nazis came into power. Jews have been driven from their positions in the civil service, in the universities, in the theatre, in the press and in the professions. Jewish shops have been boycotted and Jewish citizens have been attacked in the streets.

Within the last few days, however, the Nazis have begun to realize that the boycott movement against Germany is having a serious effect on the country's foreign trade and finances. Germany's exports have fallen off greatly and the Nazis have begun to realize that they must do something to stop the boycott movement.

Today's decree was the result of this realization. It is believed that the Nazis hope that by driving the Jews out of the professions they will be able to stop the boycott movement.

(Continued on Page 2, Col. 4)

### FRANCE HAS BIG DEFICIT

PARIS, March 29 (AP).—A total of 2,000,000,000 francs will be required to cover the deficit in the 1933 budget sent to the Chamber of Deputies today.

Four measures were sent to Finance Minister Germain-Martin to balance the budget. They include a 10 per cent increase in the income tax and a 10 per cent increase in postage.

### GAMBRINUS TO COME BACK

CHICAGO, March 29 (AP).—A toast to Gambrinus, mythical god of beer, which used to cause many a headache, was raised in a pure product today as Chicago's first legal beer since 1919 was sold at retail. The drink is being offered now, however, for much shorter a holding out for 4.75 per cent.

### INSURANCE SAFE BLASTED

A safe in the office of the Metropolitan Life Insurance Company at 1749 Eighty-third Street, in the Bath Beach section of Brooklyn, was broken into during early today. Detectives pursuing clues reported that the robbers had escaped.

### S. R. THOMPSON RESIGNS

WASHINGTON, March 29 (AP).—Stanley Reed, general counsel for the Reconstruction Finance Corporation, today announced the resignation as a member of the Public Works Board, effective April 1.

### EXECUTOR TOO EXPENSIVE

LITTLE ROCK, Ark., March 29 (AP).—Wayne Bridges, Negro executor of the estate of Mrs. Mary Bridges, white woman who left $1,000 to the Negro, was ordered by Probate Judge Lee Ward today to show cause why he should not be removed as executor because of the size of his fee.

Bridges was to be executor without charge, but he asked $1,000 for his services.

### WOULD BAR FREE LUNCH

WASHINGTON, D.C., March 29 (AP).—Free lunches, prizes, premiums, coupons, cut rates and like lures in general would be banned from business by a measure introduced today by Representative Sumners, Democrat, Texas.

Sumners, who said the lures encouraged gambling, introduced similar measures in the last Congress but they were not reported out of committee.

### CUTS IN VETERAN BENEFITS MAPPED

WASHINGTON, March 29 (AP).—Legislation to reduce veterans' benefits by approximately $400,000,000 annually was mapped today by the House Economy Committee.

Chairman Lewis W. Douglas, Democrat, Arizona, announced the committee would begin hearings tomorrow on the bill, which would reduce the compensation of veterans suffering from battle death, shell shock, gas poisoning and tuberculosis.

This action, the first taken under the economy program of the Roosevelt Administration, was decided on at a meeting of the committee which lasted more than two hours.

(Continued on Page 2, Col. 1)

## LEHMAN PLEA ON BEER BILL STIRS STORM

### Both Parties in Both Houses Launch Bitter Attack

### GOVERNOR BLAMES LOBBYISTS' "SWARM"

### In Appeal to Legislature Says Selfish Interests Menace Repeal

By JEROME L. SMITH

Chief Correspondent of Evening Post

ALBANY, March 29.—Governor Lehman suffered today the support of his last bid in a personal appeal to a joint session of the Legislature, charging "mercenary and selfish" interests have sought to gain control of legislation of the new beverage. His appeal was to save a scathing attack which has led to denunciation and threatened.

The Democratic executive in the meeting, today Thursday and Monday legislature, let his attack.

Party attitude indicated a reaction was that Democrats for economic [illegible] of the Governor's bill, on which they relentless cries and protests, organizations, including the State Tax Association, headed by Julius Henry Cohen, among many state dinners candidates from which the proposed Fund was derived would be closed.

(News Story on P. 2, Col. 3)

[illegible] Governor Lehman's message was being delivered to the Assembly the Democratic Senate [illegible] had passed [illegible] of the Governor's bill and to [illegible].

Senator William T. Byrne, who [illegible] Governor Lehman's plea was to arrive at an agreement. Senator Byrne said he would [illegible] the suggestion of the Governor [illegible] the Democratic Senate [illegible] Democratic Assembly [illegible] Democratic Senate [illegible] Democratic Assembly [illegible] Democratic Senate [illegible] Democratic Assembly [illegible]



Friday, March 31, 1933 THE EVENING

# FAMINE RULES RUSSIA

## The 5-year Plan Has Killed the Bread Supply

*By GARETH JONES*

**Mr. Jones is one of Mr. Lloyd George's private secretaries. He has just returned from an extensive tour on foot in Soviet Russia. He speaks Russian fluently—and here is the terrible story the peasants told him.**

A FEW days ago I stood in a worker's cottage outside Moscow. A father and a son, the father a Russian skilled worker in a Moscow factory, and the son a member of the Young Communist League, stood glaring at one another.

The father, trembling with excitement, lost control of himself and shouted at his Communist son: "It's terrible now. We workers are starving. Look at Chelyabinsk, where I once worked. Disease there is carrying away numbers of us workers and the little food there is is uneatable. That is what you have done to our Mother Russia."

The son cried back: "But look at the giants of industry which we have built. Look at the new tractor works. Look at the Dniepostroy. That construction has been worth suffering for."

"Construction indeed!" was the father's reply. "What's the use of construction when you have destroyed all that's best in Russia?"

What that worker said at least 96 per cent.



MR. GARETH JONES.

"*The cattle have nearly all died. How can we feed the cattle when we have only fodder to eat ourselves?*"

"And your horses?" was the question I asked in every village I visited. The horse is now a question of life and death, for without a horse how can one plough? And if one cannot plough, how can one sow for the next harvest? And if one cannot sow for the next harvest, then death is the only prospect in the future.

The reply spelled doom for most of the villages. The peasants said: "Most of our horses have died and we have so little fodder that the remaining ones are scraggy and ill."

If it is grave now and if millions are dying in the villages, as they are, for I did not visit a single village where many had not died, what will it be like in a month's time? The potatoes left are being counted one by one, but in so many homes the potatoes have long run out. The beet, once used as cattle fodder, may run out in many huts before the new food comes in June, July and August, and many have not even beet.

The situation is graver than in 1921, as all peasants stated emphatically. In that year



CHILD BEGGARS IN MOSCOW

there was famine in several great regions, but in most parts the peasants could live. It was a localised famine, which had many millions of victims, especially along the Volga. But to-day the famine is everywhere, in the formerly rich Ukraine, in West Russia, in Central Asia, in North Caucasia—everywhere.

What of the towns? Moscow as yet does not look so stricken, and no one staying in Moscow would have an inkling of wh

V Sovětském svazu se veřejná diskuse o holodomoru po desetiletí potlačovala. Přeživší, rodiny a diaspora uchovali jeho paměť. Jejich svědectví pomohla dalším generacím odhalit historii, kterou stát skrýval.


НЕ ЗАБУДЕМО НАРОДОВБИВЧИЙ ГОЛОД УКРАЇНІ 1932-1933
НЕ ЗАБУДЕМО НАРОДОВБИВЧИЙ ГОЛОД УКРАЇНІ 1932-1933
WE SHALL NEVER FORGET THE 7,000,000 UKRAINIANS SLAUGHTERED BY MOSCOW
RUSSIA



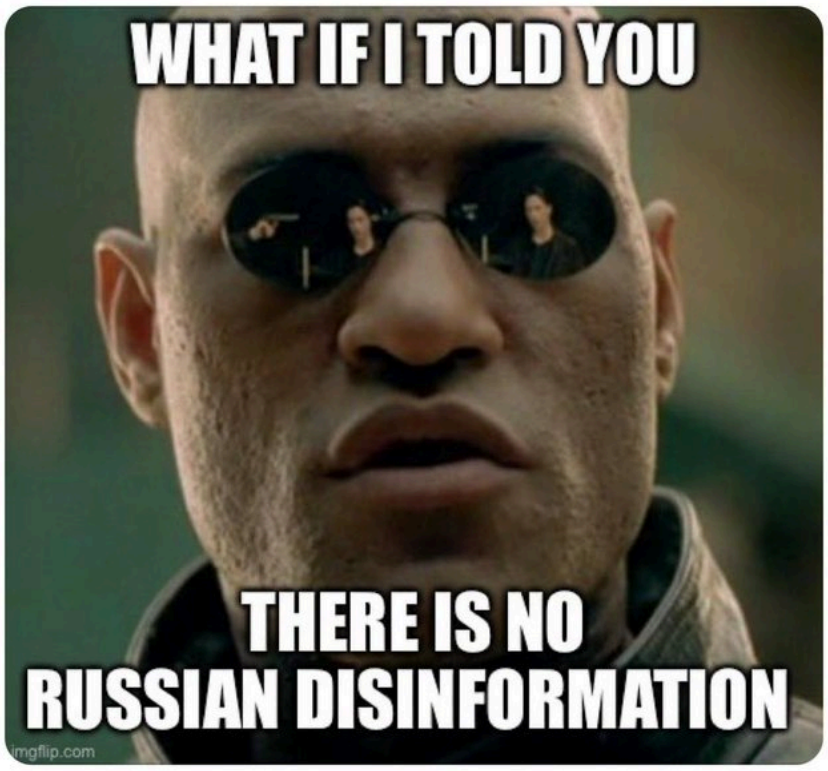
Rusko dodnes popírá, že holodomor byl genocidou, a oslavuje Stalina. V březnu 2026 jeho ministerstvo zahraničí šířilo tvrzení, že holodomor byl „vymyšlen“. V roce 2025 se do moskevského metra vrátil reliéf oslavující Stalina.

11/15





**David Sacks** ALL IN
@DavidSacks




**Readers added context**

Russian disinformation has a long and rich history.

It includes intentional lying about:
- Holodomor
- Katyń Massacre
- current war in Ukraine

cepa.org/article/kremli...
hi-storylessons.eu/disinformation...
bbc.com/news/world-eur...
en.wikipedia.org/wiki/Russian_d...

Add another post



Ukrajina si tento den připomíná, zatímco se brání ruské invazi. Památka obětí ctí mrtvé a potvrzuje právo Ukrajinců zachovat svou historii, jazyk a národní život.

12/15



Dossier zkoumá holodomor prostřednictvím historie, ekonomie a politického myšlení. Ukazuje souvislosti s ruskou válkou proti Ukrajině a pokračujícím zápasem o ukrajinskou identitu a paměť.

13/15



Přečtěte si celé dossier:

Holodomor: genocida hladem — Vyhladovění a zničení národa.

14/15

Vatnik SOUP

**Papers | Vatnik Soup**

Vatnik Soup: Your most comprehensive resource on pro-Kremlin disinformation and propaganda.

https://vatniksoup.com/en/papers

Na pravdě, historii a paměti záleží.

Ve Vatnik Soup důkladně zkoumáme fakta a vyvracíme kremelskou propagandu ospravedlňující agresi a okupaci. Připomínáme historii, abychom čelili revizionismu.

Podpořte naši práci:

15/15




**Bojujte s námi proti dezinformacím: podpořte naši práci | Vaťácký vývar**

#vatniksoup je série vláken na Twitteru (a také hashtag!), ve které představujeme proruské aktéry a propagandisty z celého světa – ať už jsou to takzvaní „nezávislí novináři“, politici, vojáci nebo o…

https://vatniksoup.com/cs/support-our-work/

• • •